

SHRI SAMPAT TUKARAM RAMTEKE (POSTHUMOUS)

Shri Sampat Tukaram Ramteke was the President of Sickle Cell Society of India (SCSI), an organization working towards the betterment of patients suffering from Sickle Cell Disease (a genetic disorder) in India. He brought into notice Sickle Cell Disease as a serious health concern along with the societal issues faced by patients and their families in India. The Ministry of Health and Family Welfare had also informed Lok Sabha about the work and awareness created by Sickle Cell Society of India for Sickle Cell Disease in India.

2. Born on August 25, 1949, in Mahadwadi village of Chimur Tehsil in Chandrapur distirct, Maharshtra, Shri Ramteke received Diploma in Electrical Engineering from Government Polytechnic Nagpur on July 3rd, 1974. Later he worked at Western Coalfields Limited, Ministry of Coal, Government of India and retired in 2009 as Superintending Engineer.

3. Shri Ramteke started "Sickle Cell Jagriti and Pratibandh Abhiyan" in the year 1991 from his remote and tiny tribal village Mahadwadi. He spent 25 years of his life to provide relief to Sickle Cell Disease patients to cope up with their miserable lives. He organized more than 250 Sickle Cell awareness and blood investigation camps with his colleagues in Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Orissa, Kerala and various districts of Maharashtra. He worked with Government of Maharashtra and Chhattisgarh on the preparation of Sickle Cell Disease Control Action Plan in the year 2003 and 2007, respectively. National Rural Health Mission invited him for the preparation of Informative, Educational and Communication materials for Sickle Cell Disease.

4. With an active support of likeminded people and SCSI team, Shri Ramteke succeeded to achieve remarkable benefits from Government of India and Government of Maharashtra for Sickle Cell patients. These benefits helped Sickle Cell Disease patients to live a better quality of life. The benefits from Government of India consists of free Blood to Sickle Cell Patients, 50 percent concession in Rail and Bus fair, inclusion of Sickle Cell Disease in Handicap Rights Act 2016, inclusion of Sickle Cell Disease in National Rural Health Mission in the year 2007. Furthermore, the benefits from Government of Maharashtra include Sickle Cell Research Centre in Indira Gandhi Medical College and Hospital Nagpur, Free medicine to Sickle Cell Patients, extra 20 minutes per hour in SSC and HSC exam, Government of Maharashtra approved Sickle Cell Patient identity card, Free Amniocentesis, Sickle Cell Day Care Centres in endemic areas in Maharashtra, 600 Rupees per month incentive to economically backward Sickle Cell Patients, Paediatric Intensive Care Unit in Department of Paediatrics in Government Medical College and Hospital Nagpur and inclusion of Sickle Cell Disease in National Service Scheme.

5. Shri Ramteke is the recipient of many International, National and State Awards. He was adjudicated "Appreciation Plaque by Common Wealth Association for Health and Disability, London, UK, in 2016, on account of exemplary seminars and immense contribution towards the welfare of specially challenged Sickle Cell Community of India" and "Global Appreciation in the field of sickle cell advocacy by President of Global Sickle Cell Disease Network, Canada, in 2017". Magnum foundation Nagpur conferred on him "Manav Mitra National Magnum Honour for the work in Sickle Cell Disease management services in Maharashtra, in 2001". Mahatma Phule Talent Research Academy accoladed him with Dr. Anandibai Joshi National Health Award, in 2011. He has a feather in his cap of Certificate of Gratitude by Maharashtra Arogya Mandal Pune for national seminar on Sickle Cell Anemia throwing light on his inputs, interest and outstanding support for Sickle Cell Anemia Research Project in 2015. He received prestigious Smita Smruti Puraskar in 2017, in the memory of actress Late Smita Patil. He also has been honoured with Red and White Bravery Award by Godfrey Phillips in recognition of an exceptional act of social courage, in 2002.

6. Shri Ramteke passed away on November 16, 2017.



श्री संपत तुकाराम रामटेके (मरणोपरांत)

श्री संपत तुकाराम रामटेके भारत में सिकल सेल डिजीज (एक आनुवांशिक विकार) से ग्रसित रोगियों की बेहतरी के लिए कार्य कर रहे संगठन, सिकल सोसायटी ऑफ इंडिया (एससीएसआई) के प्रेजीडेंट थे। आपने भारत में सिकल सेल डिजीज के रोगियों और उनके परिवारों द्वारा सामना किए जाने वाले सामाजिक मुद्दों के साथ-साथ इसे एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या के रूप में लोगों के समक्ष रखा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने भी भारत में सिकल सेल डिजीज के लिए सिकल सेल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा किए गए कार्य और इसके बारे में पैदा की गई जागरूकता के बारे में लोक सभा को जानकारी दी थी।

2. आपका जन्म महाराष्ट्र के चन्द्रपुर जिले में चिमूर तहसील के महादवाड़ी गांव में 25 अगस्त, 1949 को हुआ। आपने 3 जुलाई, 1974 को गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक नागपुर से इलेक्ट्रिक इंजीनियरी में डिप्लोमा प्राप्त किया। उसके बाद आपने वेस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड, कोयला मंत्रालय, भारत सरकार में कार्य किया और वर्ष 2009 में सुपरिन्टेंडेंट इंजीनियर के रूप में सेवानिवृत्त हुए।

3. आपने अपने दूर-दराज और छोटे आदिवासी गांव महादवाड़ी से वर्ष 1991 में "सिकल सेल जागृति तथा प्रतिबंध अभियान" शुरू किया। आपने सिकल सेल डिजीज के रोगियों को उनके दयनीय जीवन से जूझने के लिए सहायता प्रदान करने हेतु अपने जीवन के पच्चीस वर्ष बिताए। आपने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, केरल में तथा महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में अपने सहकर्मियों के साथ 250 से अधिक सिकल सेल जागरूकता एवं रक्त जांच शिविर लगवाए। आपने वर्ष 2003 और 2007 में सिकल सेल डिजीज नियंत्रण कार्य योजना तैयार करने के लिए क्रमश: महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सरकार के साथ कार्य किया। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन ने सिकल सेल डिजीज के लिए सूचनावर्धक, शैक्षिक एवं संचार संबंधी सामग्री तैयार करने के लिए आपको आमंत्रित किया था।

4. समान सोच रखने वाले लोगों तथा एससीएसआई टीम के सक्रिय सहयोग से आप सिकल सेल रोगियों के लिए भारत सरकार तथा महाराष्ट्र सरकार से काफी लाभ प्राप्त करने में सफल रहे। इन लाभों से सिकल सेल रोगियों को बेहतर जीवन जीने में सहायता मिली। भारत सरकार से प्राप्त लाभों में सिकल सेल रोगियों के लिए नि:शुल्क रक्त, रेल और बस के किराये में 50 प्रतिशत रियायत, विकलांग अधिकार अधिनियम, 2016 में सिकल सेल डिजीज को शामिल किया जाना, वर्ष 2007 में सिकल सेल डिजीज को राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन में शामिल किया जाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, महाराष्ट्र सरकार से प्राप्त लाभों में इन्दिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, नागपुर में सिकल सेल अनुसंधान केन्द्र, सिकल सेल रोगियों के लिए नि:शुल्क दवा, एसएससी और एचएससी परीक्षा में प्रति घंटे अतिरिक्त 20 मिनट प्रदान किया जाना शामिल है। महाराष्ट्र सरकार ने सिकल सेल रोगी पहचान पत्र, नि:शुल्क एमनियोसेन्टेसिस, महाराष्ट्र के स्थानिकमारी क्षेत्रों में सिकल सेल दिवस परिचर्या केन्द्र, आर्थिक रूप से पिछड़े सिकल सेल रोगियों के लिए प्रति माह 600 रुपए प्रोत्साहन, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, नागपुर में बाल रोग विभाग में बाल रोग गहन परिचर्या यूनिट तथा राष्ट्रीय सेवा स्कीम में सिकल सेल डिजीज को शामिल करने को अनुमोदित किया।

5. आपको कई अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। आपको 'अनुकरणीय सेमिनारों तथा भारत के विशेष रूप से प्रभावित सिकल सेल समुदाय के कल्याण के लिए अत्यधिक योगदान के लिए वर्ष 2016 में कॉमन वेल्थ एसोसिएशन फॉर हेल्थ डिसेबिलिटी, लंदन, यू के द्वारा सराहना पट्टिका" तथा "वर्ष 2017 में ग्लोबल सिकल सेल डिजीज नेटवर्क, कनाडा के प्रेजीडेंट द्वारा सिकल सेल से निपटने के उपाय के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में ग्लोबल एप्रिसिएशन मिला"। मैगनम फाउंडेशन, नागपुर ने आपको "महाराष्ट्र में सिकल सेल रोग प्रबंधन सेवाओं में कार्य के लिए वर्ष 2001 में मानव मित्र नेशनल मैगनम ऑनर" प्रदान किया। महात्मा फुले टैलेंट रिसर्च अकादमी ने आपको वर्ष 2011 में डॉ. आनन्द बाई जोशी नेशनल हेल्थ अवार्ड से सम्मानित किया। आपने वर्ष 2015 में सिकल सेल एनीमिया रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए अपने इनपुट, रूचि तथा सराहनीय सहयोग पर प्रकाश डालते हुए सिकल सेल एनीमिया के बारे में राष्ट्रीय सेमिनार हेतु महाराष्ट्र आरोग्य मंडल पुणे से 'सर्टिफिकेट ऑफ ग्रेटीच्यूड' हासिल किया। आपको नायिका स्वर्गीय स्मिता पाटिल की स्मृति में वर्ष 2017 में प्रतिष्ठित स्मिता स्मृति पुरस्कार मिला। आपको सामाजिक साहस के असाधारण कृत्य के लिए गॉडफ्रे फिलिप्स द्वारा वर्ष 2002 में रेड एंड हवाइट ब्रेवरी अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है।

6. 16 नवम्बर 2017 को आपका देहावसान हो गया ।